Downloaded From: http://www.cbseportal.com

नामांक Roll No.

No. of Questions — 30

No. of Printed Pages — 7

S—01—Hindi

माध्यमिक परीक्षा, 2010

हिन्दी

(HINDI)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंकवाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

(5) प्रश्न क्रमांक 2 व 3 अति लघु उत्तरात्मक हैं ।

(6) प्रश्न क्रमांक 1 के चार भाग (i, ii, iii तथा iv) हैं । प्रत्येक भाग के उत्तर के चार विकल्प (**क, ख, ग** एवं **घ**) हैं । सही विकल्प का उत्तराक्षर उत्तर-पुस्तिका में निम्नानुसार तालिका बनाकर लिखें :

प्रश्न क्रमांक	**सही उत्तर का क्रमाक्षर**
1. (i)	
1. (ii)	
1. (iii)	
1. (iv)	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

1. (i) 'नींव की ईंट' निबन्ध के अनुसार समाज की आधारशिला है

(क) सतत् जनसम्पर्क

(ख) सतत् जनजागरण

(ग) मौन-मूक शहादत

(घ) अथक समाज सेवा । $\frac{1}{2}$

(ii) सन्त जम्भेश्वर जी के अनुयायियों ने प्रकृति की रक्षा हेतु जहाँ बलिदान दिया, वह है

(क) नायासर

(ख) पीपासर

(ग) लालसर

(घ) खेजड़ली । $\frac{1}{2}$

(iii) ''देख वीर बालक के इस औद्धत्य को

लगी गरजने भरी सिंहिनी क्रोध से''

उपर्युक्त पंक्तियों में 'वीर बालक' प्रयुक्त हुआ है

(क) राम के लिए

(ख) भरत के लिए

(ग) लक्ष्मण के लिए

(घ) अर्जुन के लिए । $\frac{1}{2}$

(iv) ''उनके बच्चे हों अथवा हों मछलियाँ ।

कभी नहीं उनको कलपाना चाहिये ॥''

उपर्युक्त कथन में सीता का भाव व्यक्त हुआ है

(क) क्षमा-भाव

(ख) प्रेम-भाव

(ग) उपेक्षा-भाव

(घ) दया-भाव । $\frac{1}{2}$

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

2. 'उज्ज्वल' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए । 1

3. कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की दो काव्य-कृतियों के नामोल्लेख कीजिए । 1

4. "पर ये थोड़े-से मनुष्य ही हैं, जो संसार को हिला देते हैं ।" लेखक किन थोड़े से मनुष्यों की ओर संकेत करता है ? 'लक्ष्यवेध' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए । 2

5. निम्नलिखित सामासिक पदों का विग्रह कर उनमें निहित समास का नाम लिखिए : 2

   (i) सुहासिनी (ii) राजमाता ।

6. संज्ञा पद के पद-परिचय हेतु कोई चार बिन्दु लिखिए । 2

7. <u>यह</u> पुस्तक मेरे <u>छोटे</u> भाई ने भेजी थी ।

   उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित पदों के पद-परिचय से सम्बन्धित दो-दो बिन्दु लिखिए । 2

8. (i) जो परिश्रम करते हैं वे सफल होते हैं ।

   उपर्युक्त वाक्य रचना के आधार पर किस प्रकार का वाक्य है ? उसकी परिभाषा लिखिए । 2

   (ii) मन्त्री-मण्डल की गठन आज होगा ।

   उपर्युक्त वाक्य को शुद्ध कर पुनः लिखिए । 2

9. (i) 'तरणि' तथा 'तरणी' शब्दों का अर्थ-भेद स्पष्ट कीजिए । 1

   (ii) 'माता-पिता का सन्तान के प्रति प्रेम' का अर्थद्योतक एक शब्द लिखिए । 1

10. (i) 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' लोकोक्ति का आशय लिखिए । 1

    (ii) 'थोथी कल्पना करना' का अर्थद्योतक मुहावरा लिखिए । 1

11. शब्द-शक्ति किसे कहते हैं ? इसके प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए । 2

12. 'बन्दा बैरागी से भेंट' कविता के मूल प्रतिपाद्य को लगभग 35 शब्दों में स्पष्ट कीजिए । 2

13. "किन्तु जग के पंथ पर यदि,
    स्वप्न दो तो सत्य दो सौ ।"

    उपर्युक्त कवितांश में निहित भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

    (उत्तर सीमा लगभग 35 शब्द) 2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

14. कवि हरिवंश राय 'बच्चन' का संक्षिप्त जीवन-परिचय लगभग 35 शब्दों में लिखिए । 2

15. ''अगर मुझे मालूम होता कि मेरी कश्मीर-यात्रा इतनी महँगी पड़ेगी, तो उधर जाने का नाम न लेता ।'' 'प्रेरणा' कहानी के आधार पर सूर्य प्रकाश के उक्त कथन का कारण लिखिए ।

(उत्तर सीमा लगभग 25 शब्द) 1

16. ''मारो, देखूँ , कैसे मारती हो ? मुझे वह बहू न समझ लेना जो सास की मार चुपचाप सह लेती है ।''

उपर्युक्त कथन किसने, किससे और कब कहा ?

(उत्तर सीमा लगभग 15 से 20 शब्द) 1

17. रामचरण द्वारा अपनी कॉपी पर लिखे गये आप्त वाक्यों से कौन-सा सत्य उद्घाटित हुआ ?

(उत्तर सीमा लगभग 25 शब्द) 1

18. 'शिवाजी का सच्चा स्वरूप' एकांकी में निहित उद्देश्य को लगभग 100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए । 4

19. '' .... प्रकृतिदत्त श्वान-गुणों का उसमें सर्वथा अभाव था ।''

उक्त पंक्ति का आशय 'नीलू' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा लगभग 35 शब्द) 2

20. महाराज दाहर सेन के चरित्र की चार विशेषताओं को लगभग 35 शब्दों में लिखिए । 2

21. '15 अगस्त' शीर्षक कविता के माध्यम से कवि देश के नव-युवकों को क्या संदेश देना चाहते हैं ?

(उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) 3

22. 'झाँसी की रानी की समाधि' कविता का मूल भाव लगभग 80 शब्दों में स्पष्ट कीजिए । 3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

23. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण लगभग एक-तिहाई शब्दों में कीजिए : 3

जीवन का उद्देश्य ही आनंद है । मनुष्य जीवन पर्यन्त आनंद की ही खोज में लगा रहता है । किसी को वह रत्न, द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में । लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है, इससे पवित्र है, उसका आधार सुंदर और सत्य से मिलता है । उसी आनंद को दर्शाना, वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है, ऐश्वर्य या भोग के आनंद में ग्लानि छिपी होती है ।

24. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों का नाम लिखते हुए उनके लक्षण लिखिए :

(i) ''माला फेरत जुग भया, फिरा न मनका फेर ।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर ॥'' 2

(ii) ''हँसने लगे तब हरि अहा ! पूर्णेन्दु सा मुख खिल गया ।'' 2

25. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

कुछ काम करो, कुछ काम करो;
जग में रह कर निज नाम करो ।
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो,
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो ।
कुछ तो उपयुक्त करो तन को,
नर हो, न निराश करो मन को ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ii) कवि किसे व्यर्थ नहीं करने देना चाहता ? 1

(iii) मनुष्य को अपने मन में कौन-सी भावना नहीं लानी चाहिए ? 1

(iv) उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ लिखिए । 1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

26. अपने आपको राघव वुन्देला, भावनगर निवासी मानते हुए अपने मित्र भरत कुमार, वीरपुर निवासी को अपने परिवार में होने वाले दुर्गा-पूजा समारोह का वर्णन करते हुए उसमें भाग लेने हेतु निमन्त्रण पत्र लिखिए ।

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द) 4

27. ''इसमें सन्देह नहीं कि गाँव आज जैसा है, वैसा ही यदि रहता है तो नगरीकरण की प्रवृत्ति रोकी नहीं जा सकती ।''

'ग्राम विकास की अवधारणा' निबन्ध के आधार पर उक्त कथन का आशय लगभग 100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए । 3

28. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : 5

—मस्जिद का दरवाजा उतना ही पवित्र है जितना तुम्हारे मन्दिर का कलश ! जमीन पर गिरा हुआ कुरान का एक-एक पन्ना शिवा ने अपनी तलवार से उठाकर मौलवियों के सिर पर रख दिया है । मेरे लिए धर्म के ख्याल से हिन्दू और मुसलमान में कोई फर्क नहीं है । मैंने हमेशा इस बात का ख्याल रखा है कि चोट पहले मेरे कलेजे में पड़ेगी बाद को मसजिद की दीवाल में, फिर मेरे सेनापति होकर तुमने मेरे सिद्धान्तों के विरुद्ध ऐसा काम क्यों किया ?

अथवा

सबसे बड़ी बात यह है कि झूठ का त्याग करना पड़ता है । भगत झूठ नहीं बोल सकता । साधारण मनुष्य को अगर झूठ का एक दण्ड मिले, तो भगत को एक लाख से कम नहीं मिल सकता । अज्ञान की अवस्था में कितने ही अपराध क्षम्य हो जाते हैं । ज्ञानी के लिए क्षमा नहीं है, प्रायश्चित्त नहीं है, यदि है, तो बहुत ही कठिन ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

29. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 125 शब्दों में कीजिए : 4

"तेरी सहायता से जय तो मैं अनायास पा जाऊँगा ।
आने वाली मानवता को लेकिन, क्या मुख दिखाऊँगा ?
संसार कहेगा जीवन या सब सुकृत कर्ण ने क्षार किया,
प्रतिभट के वध के लिए सर्प का पापी ने साहाय्य लिया ।"

अथवा

"हा गुरु देव मचा दी तुमने
शान्त हृदय में कैसी क्रान्ति ?
अब तक मानों मैं भ्रम में था
तुमने आज मिटा दी भ्रान्ति ।
आया नहीं एक क्षण को भी
इन बातों का मुझको ध्यान
दुःखपूर्ण है सदा आदि में
सुखमय रहे अन्त में ज्ञान ।"

30. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 8

(i) मेरी अविस्मरणीय यात्रा ।

(ii) जीवन में खेलों का महत्व ।

(iii) श्रम सों ही सब मिलत है बिनु श्रम मिले ना काहि ।

(iv) वर्तमान समस्याएँ एवं निराकरण में युवाओं का योगदान ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com